माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019

20 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सा. विज्ञान	3 0 0	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

[redacted]

पुस्तिका का क्रमांक 219-

2334906

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

में

1	9	2	5	4	3	9	1	5

में

एक	नौ	दो	पाँच	चार	तीन	नौ	एक	पाँच

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 02 शब्दों में दो

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 11

ग :– परीक्षा का दिनांक 08 | 03 | 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल परीक्षा संस्था कोड 252008

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
नारायण पटेल (हस्ताक्षर)	(हस्ताक्षर)

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
बा. छ. धुर्वे (वरि. अध्यापक) शा. उ. मा. वि. ... (हरदा) V.No. ...	श्रीमती निमिषा शर्मा (अध्यापक) शास. हाईस्कूल रन्हाईकलाँ परीक्षक क्र. 1468100

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		

योग ... अंकों में ... शब्दों में

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [1] के उत्तर

(A) सड़क दुर्घटना।

(B) 1962 ई. में।

(C) प्राथमिक।

(D) प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष दोनो।

(E) राजस्थान में।

प्रश्न क्रमांक - [2] के उत्तर

(अ) वन सुरक्षा समितियों।

(ब) मध्यप्रदेश।

(स) बहादुरशाह (जफर) द्वितीय।

(द) प्रारूप समिति।

(ड.) कार्ल मार्क्स।

③ [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 4 के उत्तर

(अ) (असत्य)

(ब) (असत्य)

(स) (सत्य)

(द) (सत्य)

(इ) (सत्य)

प्रश्न क्रमांक - 5 के उत्तर

(अ) आकाशवाणी — 1957।

(ब) स्वामी विवेकानंद — रामकृष्ण मिशन

(स) चरण पादुका गोलीकाण्ड — छतरपुर।

(द) परिवहन एवं संचार — तृतीयक क्षेत्र।

(इ) सीमेन्ट का कारखाना — द्वितीयक क्षेत्र।

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3 के उत्तर

प्रश्न क्रमांक - (अ) का उत्तर

भारतीय रेलवे विश्व की अब 4 (चौथे) नम्बर की रेल प्रणाली बन गई है।

प्रश्न क्रमांक - (ब) का उत्तर

भारत में मौलिक अधिकारों का संरक्षक सर्वोच्च न्यायालय है।

प्रश्न क्रमांक - (स) का उत्तर

नगरपालिका और नगरनिगम के विभिन्न क्षेत्रों में निर्वाचित प्रतिनिधि को पार्षद कहते है।

प्रश्न क्रमांक - (द) का उत्तर

मानव विकास सूचकांक की गणना जीवन प्रत्याशा के आधार पर की जाती है।

प्रश्न क्रमांक - (इ) का उत्तर

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसंबर को मनाया जाता है।

BSE

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 6 का उत्तर

ऊर्जा के परम्परागत साधन - पेट्रोलियम, कोयला, प्राकृतिक गैस

ऊर्जा के गैर-परम्परागत साधन - सौर ऊर्जा, जल ऊर्जा, पवन ऊर्जा

प्रश्न क्रमांक - 7 का उत्तर

उपभोक्ता के दो कर्त्तव्य निम्न है -

(i) बिल, रसीद तथा गारंटी कार्ड प्राप्त करना एवं उन्हें सुरक्षित रखना।

(ii) सदैव मानकीकृत चिन्हों जैसे - हॉल मार्क, एगमार्क, वूलमार्क, आई. एस. आई. चिन्ह आदि को देखकर ही वस्तुओं का क्रय करना।

प्रश्न क्रमांक - 8 का उत्तर

एकाधिकार - एकाधिकार से आशय किसी वस्तु एवं सेवा के उत्पादन पर किसी एक उत्पादक या उत्पादक संस्था

प्रश्न क्र.

के अधिकार से है। एकाधिकार की स्थिति में उत्पादक वस्तुओं की कीमत, गुणवत्ता एवं उपलब्धता के विषय में मनमानी कर सकते है। इस प्रकार एकाधिकार की स्थिति उपभोक्ता के शोषण का कारण बनती है।

प्रश्न क्रमांक - [9] का उत्तर

बाढ़ नियंत्रण की दो उपाय निम्न है-

(i) नदियों के आस-पास के क्षेत्रों में सघन वृक्षारोपण करना।

(ii) सहायक एवं नदियों की छोटी धाराओं के किनारे छोटे-छोटे बाँधो का निर्माण करने से मुख्य नदी में बाढ़ के संकट को कम किया जा सकता है।

प्रश्न क्रमांक - [10] का उत्तर

कालाबाजारी - त्यौहारों एवं उत्सवों आदि के अवसर पर जब उत्पादक या व्यापारी आवश्यक वस्तुओं की

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

जमाखोरी कर लेते है तो बाजारो में उन वस्तुओ की कीमत बढ़ जाती है और उपभोक्ता ~~विवशता~~ इन्ही बढ़ी हुई कीमतो पर वस्तुओ को खरीदने पर विवश हो जाता है और यदि सरकार इन वस्तुओ की राशनिंग कर देती है तो ये वस्तुऐ बाजार मे बिकने के लिए आ जाती है। इसी को कालाबाजारी कहते है

प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर

वन संरक्षण की आवश्यकता - वन एक मूल्यवान संसाधन है। वन प्रकृति की अमूल्य देन है वन वर्षा मे सहायक होते है, मृदा अपरदन को कम करते है, पक्षियो का पोषण करते है रेगिस्तान के प्रसार को रोकते है, ठंडी एवं गर्म वायु के प्रवाह को कम करते है। ऐसा अनुमान है कि प्रारंभ में पृथ्वी का लगभग एक चौथाई भाग (25%) वनो से ढका हुआ था परन्तु मानव विकास के साथ औद्योगिकरण, जनसंख्या प्रवृद्धि, कृषि के लिए वन कटाई, बढ़ते आवासीय क्षेत्र आदि के कारण वनों का विनाश बड़े पैमाने पर हुआ है। वनों के अभाव में अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़ आदि समस्याएँ उत्पन्न हो रही है। इसलिए वनो का संरक्षण आवश्यक है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [17] का उत्तर

ब्रिटिश शासन की आर्थिक शोषण की नीति के कारण भारतीय जनमानस मे असन्तोष उत्पन्न हुआ। ब्रिटिश शासकों ने अनेक भारतीय राज्यो का अनुचित तरीके से विलय अंग्रेजी साम्राज्य मे कर लिया था। लार्डडलहौजी की हड़प नीति एव वेलेजली की सहायक संधि व्यवस्था के कारण अनेक भारतीय राजाओ मे असन्तोष उत्पन्न हो गया था। बालिया, सतारा, नागपुर आदि क्षेत्र अंग्रेजो ने साम्राज्य मे मिला लिये। सिक्किम, तंजौर, अवध के नवाबो की राजकीय उपाधियो का अंत करके राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न कर दी। अंतिम मुगल सम्राट सम्राटों के प्रति भेदभाव एव अपमानजनक व्यवहार अंग्रेजो ने प्रकट किया। जिन राज्यों को अंग्रेजो ने अपने साम्राज्य मे मिलाया था वहाँ के शिल्पकार, दस्तकार आदि भी प्रभावित हुए। जिससे सम्पूर्ण भारत मे अंग्रेजो के प्रति असंतोष फैल गया।

P.T.O.

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

उग्र राष्ट्रवाद के उदय के निम्न कारण थे-

(i) अकाल व प्लेग - 19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में भारत में भयंकर अकाल व प्लेग फैल गया। अंग्रेजों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जिससे भारत में उग्रराष्ट्रवाद का उदय हुआ।

(ii) बंगाल विभाजन - सन् 1905 में लार्ड कर्जन ने फूट डालो राज्य करो की नीति का अनुसरण करते हुए बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया, जिससे समाज में रोष उत्पन्न हो गया। और उग्रराष्ट्रवादी विचारधारा का विकास हुआ।

(iii) धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आन्दोलनों का प्रभाव - इन आन्दोलनों के कारण भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना का विकास हुआ। धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आन्दोलनों का उग्रराष्ट्रवाद के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

BSE

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [14] का उत्तर

आधुनिक औद्योगिक युग में परिवहन एवं संचार के साधनों का अभूतपूर्व स्थान है। मानव जैसे-जैसे सभ्यता की ओर अग्रसर होता है परिवहन एवं संचार के साधनों का विकास उसका इतिहास बनता जाता है -

B S E

परिवहन एवं संचार के साधन मानव के लिए अनेक प्रकार से उपयोगी है -

(i) दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति - परिवहन के साधन जैसे - बस, कार, हवाई जहाज आदि कृषि मण्डी के लिए कृषि उपजे, उद्योगों के लिये कच्चा माल, व्यापारियों के लिए दूरस्थ माल आदि उपलब्ध कराते है। इस प्रकार परिवहन के साधन हमारी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते है।

(ii) राष्ट्रीय प्रगति के सूचक - परिवहन के साधन राष्ट्रीय प्रगति को सूचित करते है। इनके कारण ही माल एवं यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना संभव होता है। ये साधन ही माल एवं यात्रियों की ढुलाई के को

नियमित एवं तीव्रगामी बनाते है।

(iii) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान करना – परिवहन के साधन राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हुए विभिन्न राष्ट्रों को परस्पर एकता के सूत्र मे बांधते जा रहे है।

प्रश्न क्रमांक – 15 का उत्तर

भारत मे मौलिक अधिकारो की व्यवस्था नागरिको के सर्वांगीण विकास हेतु की गयी है।

भारत के नागरिको को छः प्रकार के मौलिक अधिकार प्रदान किये गये है–

(i) समानता का अधिकार – भारत के प्रत्येक नागरिक को कानून के समक्ष बिना किसी भेदभाव, अस्पृश्यता एवं जाति व लिंग के आधार पर भेदभाव किये, बिना समानता का अधिकार प्राप्त है।

(ii) स्वतंत्रता का अधिकार – भारत के प्रत्येक नागरिक को भाषण देने विचार व्यक्त करने, कही भी

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

घूमने-फिरने, किसी भी स्थान पर व्यवसाय करने, देश में कहीं भी रहने, संघ बनाने, से शांतिपूर्ण सभा करने आदि की स्वतंत्रता प्राप्त है।

(iii) शोषण के विरुद्ध अधिकार- प्रत्येक नागरिक को 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से कारखानों में काम करवाने, बेगार करने या क्रय-विक्रय हेतु शोषण के विरुद्ध शिकायत करने का अधिकार है

(iv) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार- भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है यहाँ सभी नागरिकों को किसी भी धर्म का अनुसरण करने, धार्मिक संस्थाएँ स्थापित करने एवं अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने आदि की स्वतंत्रता प्राप्त है।

(v) भाषा, लिपि एवं संस्कृति आदि को सुरक्षित रखने का अधिकार।

(vi) संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

BSE

P.T.O.

MADHYAPRADESHBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [16] का उत्तर

पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की चार विशेषताएँ निम्न है।

(i) निजी सम्पत्ति - इस प्रणाली के अन्तर्गत प्रत्येक नागरिक को सम्पत्ति रखने, बेचने, प्राप्त करने आदि का अधिकार होता है।

(ii) अधिकतम लाभ - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली के अन्तर्गत व्यक्ति जो भी उत्पादन करता है उसमे लाभ की भावना छिपी होती है। यह पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(iii) कीमत यंत्र - पूँजीवादी आर्थिक प्रणाली का संचालन कीमत यंत्र के द्वारा किया जाता है - जैसे - एक उत्पादक केवल उन्हीं वस्तुओ का उत्पादन करता है जिनकी माँग एव कीमत अधिक हो।

(iv) व्यवसाय की स्वतंत्रता - इस प्रणाली के अन्तर्गत एक व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार व्यवसाय की स्वतंत्रता होती है। यह बात कृषक, मजदूर, व्यापारी सभी पर लागू होती है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - [17] का उत्तर

भारतीय संविधान की चार विशेषताएँ निम्न है -

(i) लिखित एवं निर्मित संविधान - भारत का संविधान लिखित एवं निर्मित संविधान है यह ब्रिटेन के संविधान की भाँति अलिखित नहीं है।

B
S
E

(ii) संसदीय शासन प्रणाली - भारत के संविधान के अनुसार में संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया गया है। राष्ट्र का संवैधानिक प्रधान राष्ट्रपति होता है परन्तु अंतिम सत्ता प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद के हाथ में होती है।

(iii) संघात्मक शासन व्यवस्था - भारत में संघात्मक शासन व्यवस्था को अपनाया गया है। इसके अनुसार शासन की शक्तियों को एक स्थान पर केन्द्रित न करके राज्य एवं संघ में विभाजित किया गया है।

P.T.O. ——

प्रश्न क्र. (iv) वयस्क मताधिकार – प्रत्येक नागरिक को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेने पर बिना किसी जाति, धर्म, लिंग का भेदभाव किये बिना मत देने का अधिकार है।

प्रश्न क्रमांक – 18 का उत्तर

खरीफ एवं रबी की फसलों में पाँच अंतर निम्न है

	खरीफ	रबी
(1)	खरीफ की फसलें मानसून के आगमन पर, जून-जुलाई माह में बोई जाती है।	रबी की फसलें शरद ऋतु के अंत के समय अक्टूबर नवंबर माह में बोई जाती है
(2)	मुख्य फसलें – चावल ज्वार, बाजरा, मक्का।	मुख्य फसलें – गेहूँ चना, जौ, मूंगफली।
(3)	इन्हें पकने में कम समय लगता है।	इन्हें पकने में अधिक समय लगता है।
(4)	प्रति हेक्टेयर कम उत्पादन होता है।	प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन होता है।
(5)	ये फसलें अक्टूबर नवंबर माह में काट ली जाती है।	ये फसलें मार्च-अप्रैल में काट ली जाती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक:- 19 का उत्तर

जनसंख्या वृद्धि रोकने के चार उपाय कारण निम्न है –

(i) परिवार कल्याण – जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए परिवार कल्याण कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर प्रसार - प्रचार किया जाना चाहिए। जिससे इसके लाभों से प्रेरित होकर प्रत्येक व्यक्ति कृत्रिम साधनों को अपनाने लगे।

(ii) शासन की ~~आयु~~ विवाह संबंधी नीति का पालन – शासन की विवाह संबंधी नीति का पालन करना चाहिए। जनसंख्या आयोग के अनुसार लड़की एवं लड़के की विवाह की आयु क्रमशः 18 वर्ष व 21 वर्ष है।

(iii) प्रेरणाएँ – जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिये प्रेरणाओं का प्रयोग करना चाहिए। जैसे – सीमित परिवारों को वृद्धि वेतन, नौकरियों मे वरीयता आदि।

B
S
E

मनोरंजन - जनसंख्या वृद्धि निग्रह के लिए मनोरंजन के साधनों का विस्तार करना चाहिए। मनोरंजन के आभाव में जनसंख्या वृद्धि को बल मिलता है।

प्रश्न क्रमांक - 20 का उत्तर

राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार निम्न है -

(1) देश में बाह्य आक्रमणों, देश के भीतर होने वाले सशक्त विद्रोह, राजनीतिक संघ संकट, आंतरिक उपद्रव की आशंका में राष्ट्रपति मंत्रिमंडल की लिखित अनुशंसा पर आपातकाल घोषित कर सकता है। ऐसी किसी भी घोषणा पर दो माह के पूर्व संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति अनिवार्य होती है। घोषणा अवधि में राष्ट्र का सम्पूर्ण या आंशिक शासन राष्ट्रपति के हाथ में आ जाता है।

(2) राष्ट्रपति को यदि राज्यपाल की अनुशंसा या अन्य किसी कारण से यह अनुभव होता है कि राज्य का शासन संवैधानिक तरीके से चल पाना संभव नहीं है तो मंत्रिमण्डल की लिखित

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

अनुशंसा पर राष्ट्रपति उस राज्य में आपातकाल की घोषणा कर सकता है ऐसी किसी भी घोषणा में संद संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति अनिवार्य होती है। इस अवधि के अन्तर्गत सम्पूर्ण राज्य पर या राज्य के आंशिक भाग पर राष्ट्रपति का अधिकार हो जाता है। इस अवधि में राज्य का राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है।

B S E

(3) वित्तीय संकट आने पर या जब राष्ट्रपति को यह अनुभव होता है कि वित्तीय समस्या उत्पन्न हो सकती है तो ऐसे अवसर पर वह आपातकाल लागू कर सकता है।

प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

सन् 1929 के कॉंग्रेस अधिवेशन में कॉंग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी। लाहौर अधिवेशन की पूर्ण स्वाधीनता की मॉंग को गवर्नर जनरल

19

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

लार्ड इरविन द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु गाँधीजी अभी भी समझौते की आशा रखते थे। अतः उन्होने 30 जनवरी 1930 को लार्ड इरविन की समक्ष 11 मांगे प्रस्तुत की और घोषणा की कि मांगे न माने जाने की स्थिति मे सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ किया जायेगा।

गाँधीजी ने निम्न मांगे प्रस्तुत की-

(i) सरकार विनिमय की दर घटाए।
(ii) भूराजस्व कम करे।
(iii) पूर्ण नशाबन्दी लागू करे।
(iv) नमक कानून हटाए।
(v) हथियारो को रखने पर लाइसेंस दे।
(vi) सैनिक व्यय मे मे 50% तक की कमी करे।
(vii) किसानो पर से कर के बोझ हटाए।
(viii) हिंसा से दूर रहने वाले राजनीतिक बंदियों को छोड़ दे।

इसके अतिरिक्त तीन-चार अन्य मांगे प्रस्तुत की। मांगे न माने जाने की स्थिति मे योजनानुसार सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया गया।

P.T.O.

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क.

प्रश्न क्रमांक - [22] का उत्तर

(i) फुहार

(ii) ओला

B (iii) कुहासा

S

E (iv) धीर समीर

(v) झंझा

प्रश्न क्रमांक - [24] का उत्तर

मुख्यमंत्री के पाँच कार्य निम्न है-

(1) मुख्यमंत्री का सर्वप्रथम कार्य मंत्रिपरि को गठन करना होता है।

P.T.O

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2019 4 पृष्ठीय

(21)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय: [illegible] | विषय कोड: 3 0 0 | परीक्षा का माध्यम: हिन्दी | परीक्षा का दिनांक: 08 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा: हाईस्कूल परीक्षा

परीक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: 262008

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक.................................तक कुल प्राप्

(2) मंत्रियों के बीच विभागों का वितरण करना।

(3) विभागों की बैठकों की अध्यक्षता करना।

(4) मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं मंत्रिपरिषद के बीच की कड़ी होता है।

(5) विभागों के मंत्रियों को मार्गदर्शन देना एवं उन पर नियंत्रण रखना।

B S E

P.T.O.

(22)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 25 का उत्तर

उदारवादी दल एवं उग्रराष्ट्रवादी दल की कार्यविधि में अंतर -

(1) उदारवादी दल वाले ब्रिटिश संरक्षण में रहकर आर्थिक विकास के पक्ष में थे, जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल वालों का मानना था कि देश तब तक आर्थिक क्षेत्र में प्रगति नहीं कर सकता सकता जब तक अंग्रेजी साम्राज्य का अंत न हो जाये।

(2) उदारवादी शांतिमय एवं संवैधानिक तरीके से उद्देश्यों की प्राप्ति के पक्ष में थे जबकि उग्रराष्ट्रवादी क्रांतिकारी एवं शक्ति के प्रयोग से उद्देश्यों की प्राप्ति के पक्ष में थे।

(3) उदारवादी दल वालों के प्रति सरकार का रुख उदार था जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल वालों के प्रति सरकार का रुख कठोर था।

(4) उदारवादी अंग्रेजी साम्राज्य से कोई विशेष घृणा नहीं करते थे, जबकि उग्रराष्ट्रवादी अंग्रेजों से अत्यंत

प्रश्न क्र.

घृणा करते थे।

(5) उदारवादी पश्चिमी सभ्यता की सराहना करते थे जबकि उग्रराष्ट्रवादी दल वालों को भारतीय सभ्यता पर गर्व था।

प्रश्न क्रमांक – 26 का उत्तर

बेरोजगारी दूर करने के पाँच उपाय निम्न है –

(i) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण – बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिये परिवार कल्याण कार्यक्रमों का प्रसार करना चाहिए। अन्यथा बेरोजगारी की समस्या कभी न समाप्त होने वाली समस्या बन जायेगी।

(ii) शहरों की ओर ग्रामीण जनसंख्या के पलायन पर रोक – बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए शहरों की ओर ग्रामीण जनसंख्या के पलायन पर रोक लगानी चाहिए। इसके लिए ग्रामीण स्तर पर ही रोजगार के अवसरों का सृजन करना चाहिए।

(4)

(iii) लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास - लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास कर रोजगार के अवसरों का सृजन कर बेरोजगारी की समस्या को दूर किया जा सकता है।

(iv) वर्तमान शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन - वर्तमान शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन कर उसे व्यावसायोन्मुखी बनाने का प्रयास करके, बेरोजगारी दूर की जा सकती है।

(v) प्राकृतिक संसाधनों का कुशलतम प्रयोग - भारत में प्राकृतिक संसाधनों के विपुल भंडार है उनका पूर्ण एवं कुशलता पूर्वक दोहन करने से उत्पादन क्षमता में वृद्धि के परिणाम-स्वरूप रोजगार के अवसरों का सृजन होगा जिससे बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो जायेगा।

P.T.O...

2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

4 पृष्ठीय

(25)

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा का दिनांक
सा. विज्ञान	3 0 0	हिन्दी	08 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाईस्कूल परीक्षा

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

संस्था कोड

252008

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक..........................

प्रश्न क्रमांक - 23 का उत्तर

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना ए. ओ. ह्यूम ने की थी। ह्यूम एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी था जब वह सरकारी सेवा मे था तब उसे गुप्तचर विभाग की एक रिपोर्ट देखने को मिली, जिससे उसे विश्वास हो गया कि अंग्रेजी साम्राज्य के प्रति भारतीय मे घोर असन्तोष फैला हुआ है एवं हिंसात्मक क्रांति होने की आशंका है। अतः वह जनता को संवैधानिक दिशा देना चाहता है और उसने एक संगठन की स्थापना की आवश्यकता महसूस की।

अपनी इस योजना को उसने लार्ड डफरिन के समक्ष प्रस्तुत किया

P.T.O

(26) (2)

उन्होंने इस योजना की स्वीकृति दे दी और ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना की। कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी थे।

कांग्रेस की स्थापना के उद्देश्य

इतिहासकारों के अनुसार ह्यूम और उसके साथियों ने ब्रिटिश सरकार के इशारे पर अंग्रेजी साम्राज्य के सुरक्षा कवच के रूप में कांग्रेस की स्थापना हुई। वह जनता को संवैधानिक दिशा प्रदान करना चाहता था। इसलिए उनसे कांग्रेस की स्थापन

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की स्थापना में ह्यूम के नेतृत्व को स्वीकार किया क्योंकि वे तत्कालीन परिस्थितियों में अंग्रेजों से सीधे संघर्ष की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने अंग्रेजी संरक्षण में रहकर कांग्रेस की स्थापना को लाभदायक माना।